

९

मिठाइयों का सम्मेलन

कहानी का सारांश

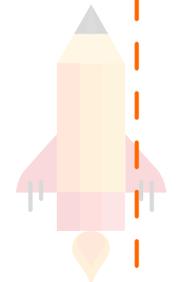
छगनलाल हलवाई जब अपनी दुकान बंद कर घर चले जाते हैं, तब दुकान में रखी मिठाइयाँ एक सम्मेलन आयोजित करती हैं। लड्डू दादा को सम्मेलन का अध्यक्ष चुना जाता है। रसगुल्ला, गुलाबजामुन, बर्फी, जलेबी, गुड़िया, रबड़ी, कलाकंद, सोनपापड़ी जैसी कई मिठाइयाँ इस बैठक में शामिल होती हैं।

सम्मेलन में चर्चा होती है कि आजकल डॉक्टर मिठाइयाँ खाने से रोकते हैं क्योंकि अत्यधिक मिठाई खाने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। कुछ मिठाइयाँ चिंता जाहिर करती हैं कि लोग अब उनका सम्मान नहीं करते। लड्डू दादा समझाते हैं कि मिठास ज़रूरी है, पर संयम के साथ सेवन करना चाहिए। मिठाइयाँ यह भी तय करती हैं कि मिठास फैलाने का काम वे जारी रखेंगी, लेकिन लोग स्वयं संयम बरतें और व्यायाम करें।

पाठ का संदेश यह है कि मिठाइयाँ जीवन में आनंद और मिठास लाती हैं, परन्तु उनका सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए ताकि स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहे।

नए शब्द

सम्मेलन	:- सभा, बैठक, अधिवेशन
अवसर	:- मौका, समय
आयोजन	:- प्रबंध, व्यवस्था
अध्यक्ष	:- प्रमुख, सभापति
उपेक्षा	:- अनदेखी, तिरस्कार
मिठास	:- मधुरता, सुगंध
सेवन	:- उपयोग, ग्रहण करना
संयम	:- नियंत्रण, अनुशासन
अमृत	:- अमोघ पेय, दिव्य पेय
क्षति	:- हानि, नुकसान
परंपरा	:- रिवाज, परिपाटी
शरीर	:- तन, देह
स्वस्थ	:- निरोगी, तंदुरुस्त
जीभ	:- जिह्वा, जिह्वा
चटोरा	:- स्वादप्रिय, लोभी (भोजन के लिए)





बातचीत के लिए

1. आपको कौन-सी मिठाई सबसे अधिक पसंद है और क्यों?

उत्तर: मुझे रसगुल्ला सबसे अधिक पसंद है क्योंकि वह बहुत नरम, रस भरा और स्वादिष्ट होता है। उसे खाने से मिठास का आनंद पूरे मुँह में फैल जाता है।

2. आपके घर में मिठाई कब-कब बनाई और बाँटी जाती है?

उत्तर: हमारे घर में मिठाई त्योहारों जैसे दीवाली, रक्षाबंधन, होली और जन्मदिन के अवसर पर बनाई और बाँटी जाती है। कभी-कभी कोई खुशी का अवसर आने पर भी मिठाई बाँटी जाती है।

3. घर से विद्यालय तक जाते हुए आपको किन-किन वस्तुओं की दुकानें मिलती हैं?

उत्तर: घर से विद्यालय तक जाते हुए मुझे सब्जी की दुकान, फल की दुकान, मिठाई की दुकान, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी की दुकान और जनरल स्टोर दिखाई देते हैं।

4. अगर आप अपनी कक्षा में बालसभा का आयोजन करते तो किन-किन बातों पर चर्चा करते?

उत्तर: अगर मैं अपनी कक्षा में बालसभा का आयोजन करता तो हम स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद, पढ़ाई में अनुशासन, और आपसी सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा करते।



पाठ के भीतर

1. रसगुल्ला भाई के अनुसार मिठाइयों की उपेक्षा का क्या कारण है?

उत्तर: रसगुल्ला भाई के अनुसार मिठाइयों की अत्यधिक मिठास ही उनकी उपेक्षा का कारण है, क्योंकि अधिक मीठा खाने से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं।

2. लड्डू दादा ने क्या-क्या सुझाव दिए?

उत्तर: लड्डू दादा ने सुझाव दिया कि मिठाइयों में शक्कर की मात्रा कम करनी चाहिए और लोगों को संयम से मिठाई का सेवन करना चाहिए। साथ ही, लोगों को नियमित व्यायाम कर स्वस्थ रहना चाहिए।

3. "फिर हमें मिठाई कौन कहेगा?" गुलाबजामुन ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर: गुलाबजामुन ने यह इसलिए कहा क्योंकि यदि मिठाइयों से शक्कर कम कर दी जाएगी, तो वे उतनी मीठी नहीं रहेंगी और फिर उन्हें मिठाई कहने का असली अर्थ ही खत्म हो जाएगा।

4. इस पाठ में जीभ पर नियंत्रण रखने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर: इस पाठ में जीभ पर नियंत्रण रखने की बात इसलिए कही गई है ताकि लोग मिठाइयों का स्वाद तो लें, परंतु अत्यधिक खाने से स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान से बच सकें।



5. इस पाठ में मिठाइयों को लड्डू दादा, बरफ़ी बहन आदि नामों से पुकारा गया है। नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार मिठाइयों को अपनी पसंद के नाम देते हुए उनके चित्र भी बनाइए—
उत्तर:

- गुलाबजामुन - गुलाबजामुन मामा



- काजूकतली - काजूकतली परी



- गुड़िया - गुड़िया पहलवान



- मैसूरपाक - मैसूरपाक राजा

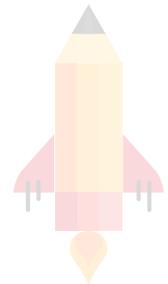


हमारी मिठास

1. हमारे देश के विभिन्न प्रदेशों में बनाई जाने वाली मिठाइयों के बारे में पता कीजिए और उनके नाम भी लिखिए।

उत्तर:

प्रदेश/केंद्रशासित प्रदेश	मिठाई
गोवा	बेबिका
ओडिशा	छेना पोड़ा
पश्चिम बंगाल	रसगुल्ला
पंजाब	पिन्नी
कर्नाटक	मैसूर पाक
महाराष्ट्र	पुरण पोली



2. पढ़िए, समझिए और लिखिए।

उत्तर: यहाँ उस पृष्ठ पर दिए गए शब्दों के अनुसार संबंधित शब्द लिखे गए हैं:

- मीठा → मिठास → रसगुल्ला
- खट्टा → खटास → इमली
- नमकीन → नमकीनी → मठरी
- कड़वा → कड़वाहट → करेला

3. विभिन्न प्रकार की मिठाइयाँ बनाने के लिए अनाज, साग-भाजी, फल-फूल, पत्ते, दलहन, तिलहन और सूखे मेवे आदि का उपयोग होता है। अपने अध्यापक या अभिभावक की सहायता से दी गई तालिका को पूरा कीजिए।

उत्तर:

मिठाई	अनाज	फल/फूल	सूखे मेवे	दालहन	तिलहन	साग-भाजी
बर्फी	गेहूँ/चावल	नारियल/केसर	काजू/बादाम/पिस्ता	चना/मूँग	तिल	लौकी/कद्दू
लड्डू	बेसन	-	बादाम/काजू	मूँग	तिल	-
गुलाबजामुन	मैदा	केसर	काजू/बादाम	खोया (दूध से)	-	-
गुज़िया	मैदा	नारियल	किशमिश/काजू	खोया	-	-
जलेबी	मैदा	-	-	-	-	-



भाषा की बात

1. 'मन में लड्डू फूटना' का अर्थ है अत्यधिक प्रसन्न होना, जैसे—

जब ज्योति को लाल किला जाने का अवसर मिला तो उसके मन में लड्डू फूटने लगे।

इसी प्रकार फलों, मसालों और साग-तरकारियों पर आधारित मुहावरे ढूँढ़कर लिखिए।

(क) अंगूर खट्टे हैं

(ख) नमक-मिर्च लगाना

(ग) आँधी में टमाटर होना

(घ) नीम चढ़ा करेला

(ङ) अदरक जैसे टेढ़े होना

अब इन मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य भी बनाइए।

(क) अंगूर खट्टे हैं:- जब किसी चीज़ को पाने में असफल हो जाएँ तो यह कहकर दिल को तसल्ली देना कि वह अच्छी नहीं थी।

वाक्य: जब राहुल की पेंटिंग प्रतियोगिता में हार हुई तो उसने कहा, "ये प्रतियोगिता तो अच्छी ही नहीं थी, अंगूर खट्टे हैं।"



(ख) नमक-मिर्च लगाना:- किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना।

वाक्य: वह हर बात में नमक-मिर्च लगाकर सबको हँसाता है।

(ग) आँधी में टमाटर होना:- बहुत ही कमजोर या असहाय होना।

वाक्य: बड़े खिलाड़ियों के सामने वह खिलाड़ी तो जैसे आँधी में टमाटर हो गया।

(घ) नीम चढ़ा करेला:- बहुत अधिक कड़वा या कठोर स्वभाव वाला व्यक्ति।

वाक्य: वह तो पहले ही गुस्सैल है, अब तो नीम चढ़ा करेला बन गया है।

(ङ) अदरक जैसे टेढ़े होना:- चालाक या चालबाज़ होना।

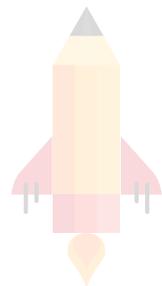
वाक्य: वह बच्चा पढ़ाई में नहीं, पर बातों में अदरक जैसा टेढ़ा है।

2. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार शब्दों के बहुवचन लिखिए।

उत्तर:	एक (एकवचन)	अनेक (बहुवचन)
	मिठाई	मिठाइयाँ
	जलेबी	जलेबियाँ
	रसगुल्ला	रसगुल्ले
	इमरती	इमरतियाँ
	पेड़ा	पेड़े

3. कुछ मिठाइयों के नाम दो शब्दों के मेल से बनते हैं। यहाँ कुछ नाम दिए गए हैं। इनकी सहायता से मिठाइयों के पूरे नाम लिखिए।

सोन, रस, कला, पेठा, जामुन, बालू, कतली, भोग		
(क)	रस + मलाई	रसमलाई
(ख)	गुलाब + जामुन	गुलाबजामुन
(ग)	बालू + शाही	बालूशाही
(घ)	मोहन + भोग	मोहनभोग
(ङ)	कला + कंद	कलाकंद
(च)	काजू + कतली	काजूकतली
(छ)	सोन + पापड़ी	सोनपापड़ी
(ज)	अंगूरी + पेठा	अंगूरीपेठा





साग-भाजियों का सम्मेलन

ऋषभ और गुरप्रीत एक दिन घर में खेल रहे थे कि अचानक उन्हें रसोईघर से कुछ आवाजें आईं। वहाँ साग-भाजियाँ आपस में बातें कर रही थीं। उनकी बातचीत को पूरा कीजिए।



आलू – मैं साग-भाजियों का राजा हूँ, मेरे बिना सारी साग-भाजियाँ अधूरी हैं।

बैंगन – तुम राजा हो तो क्या हुआ? मैं भी कम स्वादिष्ट नहीं!



टमाटर – मैं तो हर सब्जी को रंग और स्वाद देता हूँ, मेरे बिना सब्जी फीकी लगती है।

प्याज – बिना मेरे स्वाद के तो सब्जी अधूरी रह जाती है, मैं हर रसोई की जान हूँ।



मिर्च – मैं तो हर खाने में तड़का लगाती हूँ, मेरे बिना स्वाद में मजा ही नहीं आता।

भिंडी – मैं तो सबसे लोकप्रिय सब्जी हूँ, बच्चे भी मुझे बड़े चाव से खाते हैं।



गोभी – सर्दियों में मेरी खुशबू और स्वाद सबको अपनी ओर खींच लेता है।

करेला – मैं भले ही कड़वा हूँ, लेकिन सेहत के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हूँ।



पालक – मैं तो पोषण का खजाना हूँ, मेरी हरी पत्तियाँ ताकत देती हैं।

लौकी – मैं हल्का और पचने में आसान हूँ, गर्मी में मेरा सेवन सबसे ज्यादा होता है।

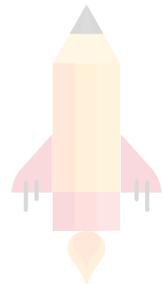


हम और हमारा स्वास्थ्य

1. स्वस्थ रहने के लिए आप क्या-क्या करते हैं? इससे संबंधित पाँच वाक्य अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: स्वस्थ रहने के लिए पाँच वाक्य:

- मैं रोज़ सुबह उठकर योग और व्यायाम करता हूँ।
- मैं पौष्टिक भोजन करता हूँ और जंक फूड से बचता हूँ।
- मैं हर दिन समय पर सोता और उठता हूँ।
- मैं अपने हाथ-पैर साफ़ रखता हूँ और नहाना नहीं भूलता।
- मैं हमेशा खुली हवा में टहलता हूँ और खेल-कूद में भाग लेता हूँ।



2. "जहाँ अति होती है, वहाँ क्षति होती है।" अगर आपके पास इस कथन से संबंधित कोई अनुभव है तो उसे कक्षा में साझा कीजिए और उस पर चर्चा कीजिए। शिक्षक भी कुछ उदाहरण देकर अपने अनुभव साझा कर सकते हैं।

उत्तर: एक बार मैंने बहुत अधिक मिठाइयाँ खा ली थीं, जिससे मुझे पेट दर्द हो गया और डॉक्टर के पास जाना पड़ा। तभी मुझे समझ आया कि किसी भी चीज़ का अधिक उपयोग नुकसानदायक होता है। हमें खाने, खेलने, पढ़ने आदि हर काम में संतुलन बनाए रखना चाहिए।

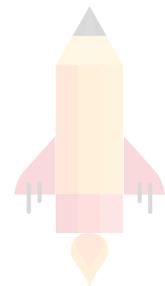
इसी तरह अगर कोई बहुत ज्यादा मोबाइल या टीवी देखता है, तो उसकी आँखें और दिमाग कमजोर हो सकते हैं। इसलिए हर काम में सीमा का ध्यान रखना ज़रूरी है।



भूल-भुलैया

भाई-बहन मिठाइयों के सम्मलेन में गए थे और लौटते समय घर का रास्ता भल गए। इन्हें जलेबी भूल-भुलैया से बाहर निकालिए।

उत्तर:



One Point Learning